केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 110058
पुस्तकालय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
का
वार्षिक प्रतिवेदन
1994-95

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)
ए-40, विशाल एन्क्लेव, राजा गार्डन, नई दिल्ली-110027

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

१९९४-९५

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
ए-४०, विशाल एन्क्लेव, राजा गार्डन,
नई दिल्ली-११००२७

प्रकाशक:—

निदेशक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

ए-४०, विशाल एन्क्लेव

राजा गार्डन, नई दिल्ली-११००२७

मुद्रक:—

अमर प्रिंटिंग प्रैस

८/२५, विजय नगर, दिल्ली-९

विषय-सूची

१. प्रस्तावना १-२

१.१ भूमिका और कार्य
१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप
१.३ अध्यापन
१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण
१.५ शोध
१.६ प्रकाशन

२. संगठन और स्थापना ३-६

३. शैक्षणिक विभाग ७-११

३.१ शैक्षणिक शाखा
३.२ शोध और प्रकाशन शाखा
३.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

४. परीक्षा विभाग १२

५. प्रशासन विभाग १३

६. वित्त विभाग १४

७. योजना अनुभाग १६

८. संस्थान भवन निर्माण १८

९. विद्यापीठ १९-३१

९.१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी
९.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद
९.३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू
९.४ गुरूवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा (त्रिचूर)
९.५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

९.६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ
९.७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

१०. वर्ष की प्रमुख घटनाएँ ३२

परिशिष्ट— ३३-५६

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारणसभा के सदस्यों की सूची
(ख) संस्थान की शासी परिषद् के सदस्यों की सूची
(ग) सम्बद्ध संस्थाएँ
(घ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली राज्य सरकारें
(ङ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय
(च) १९९४-९५ वर्षीय प्राप्तियां व भुगतान का विवरण

१. प्रस्तावना

१.१ भूमिका और कार्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना देश भर में संस्कृत की प्रोन्नति एवं विकास के लिए सन् १९७० में हुई तथा संस्था पंजीकरण अधिनियम १८६० (अधिनियम XXI) के अन्तर्गत इसका पंजीकरण किया गया। इसका वित्तीय भार पूर्णतया भारत सरकार वहन करती है। संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार एवं विकास के लिए यह एक शीर्षस्थ संस्था के रूप में कार्य कर रहा है। संस्थान संस्कृत-अध्ययन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने में **मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार** की सहायता करता है। संस्कृत भाषा और शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार और विकास के लिए सन् १९५६ में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित संस्कृत आयोग की संस्तुतियों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए यह एक प्रमुख संस्था के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

संस्था के ज्ञापन (मेमोरेण्डम ऑफ एसोसियेशन) से परिलक्षित होता है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत विद्या और शोध का प्रचार-प्रसार विकास तथा प्रोत्साहन करना है और संस्थापित अथवा अधिगृहीत सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्रबन्ध के लिए केन्द्रीय प्रशासकीय तथा समन्वय करने वाली संस्था के रूप में कार्य करना है।

१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप

उपर्युक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं क्रियाकलापों का संचालन करता है—

— विभिन्न राज्यों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना।

— उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक, पूर्व स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान स्तर पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत के अध्यापन-कार्य को संचालित करना।

— स्नातक स्तर पर अध्यापकों के प्रशिक्षण (शिक्षा शास्त्री) का संचालन।

— संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य का संचालन और समन्वयन।

— पारस्परिक अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं को प्रायोजित करने में अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।

— संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों और महत्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन व प्रकाशन।

१.३ अध्यापन

संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों में प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक का अध्यापन-कार्य संस्थान द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाता है । स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित संस्थान से सम्बद्ध कुछ अन्य संस्कृत संस्थायें भी इस पाठ्यक्रम के आधार पर अध्यापन करती हैं । संस्कृत शिक्षण की गैरपरम्परागत पद्धति से आने वाले छात्रों के सौविध्य के लिए संस्थान के सभी विद्यापीठों में + २ स्तर का एक द्विवर्षीय प्राक्शास्त्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है । पुरी और जम्मू विद्यापीठों में प्रथमा (कक्षा ६,७ और ८) से लेकर पूर्वमध्यमा (कक्षा ९-१०) और उत्तरमध्यमा (कक्षा ११-१२) तक विद्यालयस्तरीय पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है ।

वर्तमान में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सात केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का संचालन कर रहा है ।

१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण

सभी केन्द्रीय विद्यापीठों में एक शैक्षिक सत्र की अवधि का अध्यापकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाया जाता है जो प्रयोगात्मक शिक्षण पर बल देता है । इस पाठ्यक्रम में सफल होने वाले विद्यार्थियों को शिक्षाशास्त्री की उपाधि दी जाती है जो बी.एड. के समकक्ष होती है ।

१.५ शोध

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ इलाहाबाद, संस्कृत के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में शोध के लिए पूर्ण रूप से प्रवृत्त है । अन्य सभी विद्यापीठों में भी शोधछात्रों की सुविधा के लिए उनके नामांकन की व्यवस्था है । अनुसंधान कार्य पूरा करने के बाद उन्हें संस्थान द्वारा विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है जो पी-एच. डी. के समकक्ष है ।

१.६ प्रकाशन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से दो अनुसंधान पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है:-संस्कृत-विमर्श और गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ शोध-पत्रिका । संस्कृत-विमर्श का प्रकाशन मुख्यालय द्वारा किया जाता है । दूसरी पत्रिका का प्रकाशन गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद से होता है ।

२. संगठन और स्थापना

साधारण सभा संस्थान की नीतियों का निर्धारण करती है जिसमें २० सदस्य हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची संलग्नक "क" में दी गयी है। शासी परिषद् शीर्षस्थ शासी निकाय है, जिसमें अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अतिरिक्त छः सदस्य हैं। साधारण सभा द्वारा स्वीकृत नीतियों का क्रियान्वयन शासी परिषद् द्वारा किया जाता है। वर्तमान शासी परिषद् का गठन संलग्नक "ख" पर संलग्न है।

शासी परिषद् के कार्यों के सम्पादन में निम्नलिखित समितियां/परिषद् सहायता करती है—

१. अर्थ समिति

२. विद्या परिषद्

३. प्रकाशन समिति

४. शोध समिति

५. परीक्षा मण्डल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान चार विभागों के द्वारा कार्य करता है:—

१. शैक्षणिक विभाग

२. परीक्षा विभाग

३. प्रशासन विभाग

४. वित्त विभाग

शैक्षणिक विभाग की तीन शाखाएँ हैं, जिनके नाम हैं:—

१. शैक्षणिक शाखा

२. शोध और प्रकाशन शाखा

३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

इनमें से प्रत्येक शाखा का प्रधान अधिकारी एक एक उप-निदेशक होता है। ये सभी अधिकारी संस्थान के निदेशक की सहायता करते हैं जो संस्थान का सर्वोच्च कार्यपालक अधिकारी होता है और साधारण सभा एवं शासी परिषद् द्वारा स्वीकृत नीतियों और कार्यक्रमों के संपादन के लिए उत्तरदायी होता है।

संस्थान का निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है । पूर्णकालिक नियमित निदेशक की नियुक्ति १५ फरवरी, १९९४ से हो चुकी है ।

२.१ शैक्षणिक विभाग

इसकी तीन शाखाएँ हैं—

२.१.१ शैक्षणिक शाखा

यह शाखा मुख्यत: शैक्षिक स्तर के निर्धारण, विभिन्न पाठ्यक्रमों के निर्माण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त यह शाखा संस्कृत संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्य भी करती है ।

२.१.२ अनुसंधान एवं प्रकाशन शाखा

यह शाखा संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों के प्रकाशन और अनुसंधान कार्यों के समन्वय और कार्यान्वयन से सम्बद्ध है । यह संस्थान के अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी करती है ।

२.१.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

यह शाखा पत्राचार पाठ्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन के लिए उत्तरदायी है । यह पाठ्यक्रम दो स्तर पर संचालित है—

(क) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

(ख) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

२.२ परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है—

प्रथमा	(कक्षा VIII)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा X)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा XII)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा XII)
शास्त्री	(बी० ए०)
आचार्य	(एम० ए०)
शिक्षाशास्त्री	(बी० एड्०)

वर्ष १९८९-९० से संस्थान ने शिक्षाशास्त्री में प्रवेश के लिए प्रतियोगी प्रवेश-परीक्षा आरंभ की है। इसे पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) कहते हैं।

यह विभाग शोध-उपाधियां प्रदान करने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों और सम्बद्ध संस्थाओं के विद्यार्थियों के शोध-प्रबंधों का मूल्यांकन एवं उनकी मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है।

२.३ प्रशासन विभाग

यह विभाग संस्थान और उसके अंगीभूत विद्यापीठों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। नियुक्तियों, पदस्थापन, स्थानान्तरण तथा अन्य स्थापना संबंधी कार्यों की योजना बनाना और विद्यापीठों पर नियन्त्रण रखना इस विभाग का प्रमुख दायित्व है।

२.४ वित्त विभाग

इस विभाग का कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका वितरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना है। यह भविष्य निधि का भी प्रबन्ध करता है और शिक्षा मन्त्रालय की योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि का भी वितरण करता है।

विद्यापीठ

निम्नलिखित केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठ हैं—

क्रम सं०	विद्यापीठ का नाम	स्थान
१.	गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	इलाहाबाद
२.	श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	पुरी
३.	श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	जम्मू
४.	गुरूवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	त्रिचूर
५.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	जयपुर
६.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	लखनऊ
७.	श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	शृंगेरी (कर्नाटक)

ये विद्यापीठ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं:—

क्रम सं०	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
१.	प्रथमा	मिडिल
२.	पूर्वमध्यमा	सेकेण्डरी
३.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
४.	शास्त्री	बी.ए.
५.	आचार्य	एम.ए.
६.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
७.	शिक्षाचार्य	एम.एड.
८.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

प्रथमा से उत्तरमध्यमा तक का पाठ्यक्रम विद्यालय स्तर का है, जिसका संचालन केवल पुरी और जम्मू विद्यापीठ में होता है। प्राक्शास्त्री यद्यपि विद्यालय स्तर का पाठ्यक्रम है, लेकिन बफर कोर्स होने के कारण इसे सभी विद्यापीठों में चलाया जाता है।

३. शैक्षणिक विभाग

३.१ शैक्षणिक शाखा

इस अनुभाग का प्रधान अधिकारी उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में इस अनुभाग में निम्नलिखित पदाधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. एक शोध सहायक

३. एक टी०जी०टी०

४. एक सहायक

५. एक उच्च श्रेणी लिपिक

६. दो निम्न श्रेणी लिपिक

७. दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

यह अनुभाग निम्नलिखित क्रियाकलापों से सम्बन्धित है—

(क) शैक्षिक क्रियाकलाप

यह संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रमुख व्यस्थापक है । विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम-निर्माण इसका मुख्य कार्य है । प्रथमा से आचार्य तक के संस्कृत विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए तदर्थ रूप से अलग-अलग विषय समितियों का गठन किया जाता है । इनकी संस्तुतियों को अध्ययन मण्डल (बोर्ड आफ स्टडीज) के समक्ष विचारार्थ रखा जाता है, जिसका गठन आवश्यकतानुसार किया जाता है ।

जहां तक अंग्रेजी, हिन्दी और आधुनिक विषयों जैसे इतिहास आदि के पाठ्यक्रम का प्रश्न है, केन्द्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है । शास्त्री कक्षा के लिए आधुनिक विषयों जैसे हिन्दी और अंग्रेजी आदि के लिए समान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है ।

(ख) छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति कार्यक्रम की दो प्रमुख शाखाएं है जिसमें से एक विद्यापीठ के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने संबंधित है । यह छात्रवृत्ति प्रत्येक विद्यापीठ के बजट से दी जाती है । वर्ष १९९४-९५ में अंगीभूत विद्यापीठों के विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों का विवरण इस प्रकार है :

क्रम सं०	विद्यापीठ का नाम	छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या
१.	गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद	९
२.	श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी	३७६
३.	श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू	१७१
४.	गुरूवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, केरल	१७५
५.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर	२६१
६.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ	७७
७.	राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी (कर्नाटक)	६७

दूसरी छात्रवृत्ति विद्यापीठ के छात्रों के अतिरिक्त अन्य छात्रों/शोधार्थियों के लिए है जो दो प्रकार की है:—

१. परम्परागत पाठशालाओं के विद्यार्थियों के लिए शोध-छात्रवृत्ति ।

२. मैट्रिक के बाद की छात्रवृत्ति (आचार्य एम.ए,पी-एच.डी.) आदि के छात्रों के लिए ।

वर्ष १९९४-९५ के दौरान छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

क्रम सं०	पाठ्यक्रम	नई छात्रवृत्तियां (प्रथम वर्ष)	नवीकरण (द्वितीय वर्ष)
१.	प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा	७९	३
२.	इन्टर मीडियेट	२४८	—
३.	बी० ए०	२९१	२६
४.	शास्त्री	७९	२३
५.	एम० ए०	११०	१२
६.	आचार्य	१०६	२७
७.	पी-एच० डी०	२०	८
८.	विद्यावारिधि	३२	१५

(ग) प्रवेश

संस्कृत के विभिन्न परीक्षा-निकायों की परीक्षाओं की समकक्षता को ध्यान रखते हुए संस्थान के विद्यापीठों में छात्रों को विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश दिया जाता है । वर्ष १९९४-९५ के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है—

क्रम सं०	विद्यापीठ	प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या	अनुसूचित जाति/ जनजाति
१.	इलाहाबाद	११	१
२.	पुरी	४६६	१०
३.	जम्मू	२३८	४
४.	गुरूवायूर	२४५	१९
५.	जयपुर	३४६	११
६.	लखनऊ	१३३	८
७.	शृंगेरी	११०	४

(घ) छात्रावास-सुविधा

वर्ष १९९४-९५ में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी जिनकी संख्या निम्नलिखित है:—

क्रम सं०	विद्यापीठ	विद्यार्थियों की संख्या
१.	इलाहाबाद	—
२.	पुरी	११४
३.	जम्मू	४४
४.	गुरूवायूर	—
५.	जयपुर	४०
६.	लखनऊ	३१
७.	शृंगेरी	१५

(ङ) संस्थाओं की सम्बद्धता

संस्थान का प्रारम्भ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था। बाद में कुछ स्वतन्त्र संस्थाओं को भी इससे सम्बद्ध कर लिया गया। पिछले कुछ वर्षों से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है। संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक "ग" में दी गयी है। इन स्वतन्त्र संस्कृत संस्थाओं को प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के पाठ्यक्रमों के लिए सम्बद्धता दी गई है।

३.२ शोध और प्रकाशन शाखा

शोध और प्रकाशन शाखा का प्रमुख एक उप-निदेशक होता है। प्रस्तुत वर्ष में इस शाखा में निम्नलिखित कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. दो शोध सहायक

२. दो सहायक

३. एक बिक्री सहायक

४. एक पुस्तकालय सहायक

५. दो निम्न श्रेणी लिपिक

६. एक पुस्तकालय परिचर

७. एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

यह शाखा मुख्यालय और केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्थानान्तरित निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित करने का कार्य भी किया जाता है।

१. संस्कृत-साहित्य के साथ-साथ संस्कृत समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन।

२. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

३. संस्कृत की पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

प्रस्तुत वर्ष में अनुदान समिति की दो बैठकें हुईं जिसमें अनेक प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। प्रस्तुत वर्ष में शोध परिषद् की एक बैठक हुई जिसमें ८७ शोधार्थियों को विद्यावारिधि के लिए पंजीकृत किया गया। इलाहाबाद विद्यापीठ से गंगानाथ झा शोध पत्रिका का प्रकाशन भी हुआ।

फोर्ड फाउण्डेशन की वित्तीय सहायता से संस्थान ने एक परियोजना हू इज़ हू के निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया जिसमें भारत के परम्परागत संस्कृत विद्वानों की सूची तैयार की जाती है। यह निर्देशिका सम्प्रति तैयार हो चुकी है और साहित्य अकादमी के द्वारा मुद्रित हो चुकी है।

जम्मू विद्यापीठ के द्वारा काश्मीर-शैव-दर्शन का केन्द्र चलाया जा रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन पर एक सौ से अधिक पाण्डुलिपियों का संकलन किया जा चुका है । उनमें से कुछ का संपादन कार्य चल रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन कोष भी मुद्रणाधीन है । इसके अतिरिक्त इस वर्ष आल इण्डिया काशीराज ट्रस्ट वाराणसी (पुराण विभाग) के कार्य का आकलन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा किया गया और महापुराणों के समीक्षात्मक संस्करण के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को बढ़ाकर १,७९,४०० रुपए कर दिया गया ।

३.३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा की स्थापना शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत की गयी थी । यह शाखा १० वर्षों से अधिक समय से पत्राचार के माध्यम से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रारम्भिक स्तर पर संस्कृत के शिक्षण का कार्य कर रही है । यह द्विवर्षीय पाठ्क्रम दो स्तरों में विभाजित है, जिसमें से प्रत्येक में २१ पाठ हैं ।

वर्ष १९९४ के अन्तर्गत (जनवरी से दिसम्बर १९९४ तक) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है—

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम	विद्यार्थियों की संख्या
(क) हिन्दी माध्यम	१४६
(ख) अंग्रेजी माध्यम	३०८
द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम	
(क) हिन्दी माध्यम	११४
(ख) अंग्रेजी माध्यम	१९७
कुल योग	७६५

यह पाठ्यक्रम भारतीय छात्र के लिए मात्र ५०-०० रुपये वार्षिक और विदेशी छात्र के लिए २० अमेरिकी डालर शुल्क लेकर चलाया जाता है ।

इन पाठ्यक्रमों को और अधिक लोकप्रिय बनाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए संस्थान ने विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से संस्कृत के व्यापक प्रचार के लिए बहुत से कदम उठाए हैं । इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अतिरिक्त अनेक उच्च पदाधिकारियों एवं विभिन्न आयु-वर्ग के लोगों ने पत्राचार पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है और संस्कृत सीख रहे हैं ।

जो शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन्हें **संस्कृत-प्रवेश** नामक प्रमाण पत्र दिया जाता है ।

४. परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं, जिनके नीचे दो और अधिकारी सहायक निदेशक और अनुभाग अधिकारी हैं। संस्थान की परीक्षाओं का आयोजन इसका मुख्य दायित्व है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि की परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत विद्यापीठों तथा सम्बद्ध संस्थाओं दोनों के परीक्षार्थी परीक्षा में बैठते हैं। ये परीक्षाएं विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुरूप बनाए गए पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष १९९४-९५ में परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है—

क्रम सं०	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
१.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	१५३	१०९	७१.२४
२.	पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष	४०९	२६३	६४
३.	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	३५९	२७१	७५
४.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१२८	११६	९०.६३
५.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	८३	७७	९२.७७
६.	प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	५८८	५१०	८६
७.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	४२२	२८०	७०
८.	शास्त्री प्रथम वर्ष	५६४	४३५	७७
९.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	४७७	३५८	६८.७
१०.	शास्त्री तृतीय वर्ष	४२८	२७९	६५.१
११.	आचार्य प्रथम वर्ष	५६५	३७८	६६.९
१२.	आचार्य द्वितीय वर्ष	३७३	२०८	५५.७
१३.	शिक्षाशास्त्री	३४७	३१२	८९.१४

इसके अतिरिक्त वर्ष १९९४-९५ में १० शोधार्थियों को उनके शोध-प्रबन्धों पर विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गयी।

शैक्षणिक सत्र १९८९-९० से शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए संस्थान पूर्वशिक्षाशास्त्री-परीक्षा का संचालन कर रहा है। वर्ष १९९४-९५ में भी विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की गयी।

५. प्रशासन विभाग

इस विभाग का प्रमुख उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी इस विभाग में कार्य कर रहे हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. चार सहायक

३. तीन उच्च श्रेणी लिपिक

४. सात निम्न श्रेणी लिपिक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन विभाग नियमानुसार कार्यालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने का कार्य करता है । यह संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करता है । यह विभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना संबंधी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन की प्राप्ति, नए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, संस्थान की साधारण सभा एवं शासी परिषद् की बैठकों का संचालन आदि करता है ।

जिन विद्यापीठों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए जमीन प्राप्त करने और उनके लिए भवन बनाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं । केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी के भवन निर्माण के लिए उड़ीसा सरकार के द्वारा १०.५ एकड़ भूमि दी जा चुकी है । राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी को भी कर्नाटक सरकार ने १०.५ एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है । लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के द्वारा भवन का नक्शा तथा अनुमानित लागत आदि का विवरण प्रस्तुत किया जा चुका है । भवन निर्माण कार्य निकट भविष्य में प्रारम्भ होने वाला है । मध्य प्रदेश सरकार ने भी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना के लिए भोपाल में १०.०० एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है ।

६. वित्त विभाग

इस विभाग का प्रमुख अधिकारी उपनिदेशक है । इसमें एक लेखा अधिकारी, एक सहायक, एक उच्च श्रेणी लिपिक तथा तीन निम्न श्रेणी लिपिक हैं ।

बजट (१९९४-९५)

वर्ष १९९३-९४ के बचे हुए ३२.२४ लाख रुपये को वित्तीय वर्ष १९९४-९५ में समाविष्ट किया गया । मन्त्रालय के द्वारा इस वर्ष कुल मिलाकर ७७०-८७ लाख रुपये की राशि (पूर्व वर्ष की अवशिष्ट राशि सहित) स्वीकृत की गई । इस राशि को अंगीभूत इकाइयों में निम्नलिखित प्रकार से वितरित किया गया है:—

(रूपये का अंक लाखों में)

इकाई		योजनागत	योजनेतर	कुलयोग
१.	मुख्यालय	२१७.१८	२५४.४४	४७१.६२
२.	पुरी विद्यापीठ	३.२५	४८.००	५१.२५
३.	जम्मू विद्यापीठ	६.००	३७.००	४३.००
४.	इलाहाबाद विद्यापीठ	१.००	२७.५०	२८.५०
५.	गुरुवायूर विद्यापीठ	७५.००	३२.००	१०७.००
६.	जयपुर विद्यापीठ	—	३१.००	३१.००
७.	लखनऊ विद्यापीठ	—	२३.५०	२३.५०
८.	शृंगेरी विद्यापीठ	१५.००	—	१५.००
	कुल योग	३१७.४३	४५३.४४	७७०.८७

यह राशि वेतन, भत्ते, छात्रवृत्तियां एवं अन्य रख रखाव की मदों पर खर्च की गई । खर्च से बची ७०.८७ लाख रुपये (योजनागत २८.६५ लाख रुपये तथा योजनेतर ४२.२२ लाख रुपये) की धनराशि स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों एवं आदर्श पाठशालाओं की अनुदान राशि मुक्त करने सम्बन्धी पत्रों के मंत्रालय से विलम्ब से प्राप्त होने के कारण अवशिष्ट रही ।

लेखा

अंगीभूत विद्यापीठों का इस वर्ष का लेखा सम्बद्ध महालेखाकार द्वारा विधिवत् परीक्षित एवं प्रमाणित किया गया। वर्ष १९९४-९५ का समेकित लेखा दिनांक १३ सितम्बर ९५ को लेखा अधीक्षक के कार्यालय में भेजा जा चुका है। परन्तु अभी परीक्षित नहीं हो पाया है। अपरीक्षित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का विवरण संलग्नक "च" में दिया गया है।

भविष्य निधि खातों का रख-रखाव

यह विभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन और भविष्य निधि वालों का रख-रखाव करता है। वित्तीय वर्ष के अंत में प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को उसके वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया।

लेखा परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी विद्यापीठों को यह निर्देश दिया गया कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन में लेखा परीक्षाधिकारियों को उत्तर भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहुत सी लेखा-परीक्षा-आपत्तियों को निपटाया गया।

आन्तरिक लेखा-परीक्षण

लेखा अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति के साथ आन्तरिक लेखापरीक्षण का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।

७. योजना अनुभाग

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्थानान्तरित अनेक योजनाओं को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान क्रियान्वित कर रहा है । जैसे:—

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संस्कृत संस्थाओं को संस्कृत अध्यापकों के वेतन, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, तथा विद्यालय के भवन निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । प्रदत वर्ष में इस योजना के अन्तर्गत ४८ लाख रुपये योजनागत तथा ४.०७ लाख रुपये योजनेतर की धनराशि प्रदान की गई ।

(ii) आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में १६ संस्थाएं चल रही हैं । इस वर्ष योजना में ५५ लाख तथा योजनेतर में ८५.९९ लाख रुपये (कुल १४०.९९ लाख रुपए) की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई ।

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है ।

इस योजना को आरंभ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके ।

योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है । इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार ने १४ लाख रुपये की राशि (६ लाख योजनागत और ८ लाख रुपये योजनेतर) स्वीकृत की है । प्रत्येक विद्वान् को १००० रुपये प्रतिमाह प्रथमत: दो वर्ष के लिए दिये जाते हैं । अनुदान-समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है ।

वर्तमान १९९४-९५ वर्ष में इस योजना के अन्तर्गत ८१ शास्त्रचूड़ामणि विद्वानों को २ वर्ष के लिए नियुक्त किया गया । साथ ही ४० विद्वानों की नियुक्ति का कार्यकाल एक वर्ष और बढ़ाया गया ।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत व्यावसायिक विषयों जैसे ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पेलियोग्राफी, कैटलागिंग, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि में कार्यगोष्ठियों के आयोजन तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए चुने हुए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।

भारत सरकार के द्वारा इस योजना के अन्तर्गत ३ लाख रुपये स्वीकृत किए गये हैं । अनुदान समिति की संस्तुति के आधार पर वर्ष १९९४-९५ में १३ संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।

(v) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धांतों के आधार पर १५०० ई. पू. से १९०० ई. तक की अवधि का एक संस्कृत शब्द कोश डेकन कालेज, पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है । यह परियोजना वर्ष १९४८ से आरम्भ की गई थी । तब से अब तक भारत सरकार के द्वारा इसके लिए लगभग एक करोड़ रुपया व्यय किया गया है । डेकन कालेज पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान संपादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है । अब तक इस शब्दकोश के चार खण्ड और लगभग २६०६ पृष्ठ मुद्रित हो चुके हैं । कार्य की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आशा की जाती है कि यह कोश २०५० ई० के अंत तक पूरा होगा । यह परियोजना प्रमुख रूप से भारत सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी कुछ वित्तीय सहायता दी जाती है । वर्ष १९९४-९५ के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शब्द कोश परियोजना के लिए २० लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है ।

८. संस्थान भवन का निर्माण

५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, पंखारोड, जनकपुरी, नई दिल्ली में संस्थान के कार्यालय के भवन का निर्माण

संस्थान के भवन का निर्माण ५६-५७ इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के द्वारा किया जा रहा है । एक अप्रैल १९९४ को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री के द्वारा भवन की आधार शिला रखी गई । भवन निर्माण की अनुमानित लागत २,२१,३४,७५० रुपए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में मार्च १९९५ तक जमा करा दी गई है ।

९. विद्यापीठ

९-१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी

परम्परागत संस्कृत अध्ययन अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का १५ अगस्त १९७१ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा अधिग्रहण किया गया । पुराने सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का नाम बदल कर श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया ।

यह विद्यापीठ विभिन्न विभागों जैसे साहित्य, नव्यव्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैतवेदांत, नव्यन्याय, सर्वदर्शन आदि में प्रथमा से आचार्य तक का शिक्षण कार्य कर रहा है ।

इन विषयों के अतिरिक्त इसमें आधुनिक विषयों जैसे-अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित में शास्त्री और विद्यालय स्तर की कक्षाओं में संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन कार्य होता है । यहाँ शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है ।

प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्रथमा-प्रथम वर्ष	४
२.	प्रथमा-द्वितीय वर्ष	७
३.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
४.	पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	६
५.	पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	७
६.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१६
७.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	९
८.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	४५
९.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	४४

१०.	शास्त्री प्रथम वर्ष	४७
११.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	२२
१२.	शास्त्री तृतीय वर्ष	३४
१३.	आचार्य प्रथम वर्ष	९५
१४.	आचार्य द्वितीय वर्ष	७३
१५.	शिक्षाशास्त्री	५५
	कुल योग	४६६

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के १० छात्रों को प्रवेश दिया गया।

छात्रवृत्ति

१९९४-९५ में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्रथमा-प्रथम वर्ष	७
२.	प्रथमा-द्वितीय वर्ष	२
३.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	—
४.	पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	१५
५.	पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	११
६.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	७
७.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	३
८.	प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	३०
९.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१९
१०.	शास्त्री-प्रथम वर्ष	२४
११.	शास्त्री-द्वितीय वर्ष	३१
१२.	शास्त्री-तृतीय वर्ष	८०
०३	आचार्य-प्रथम वर्ष	८३

१४.	आचार्य-द्वितीय वर्ष	८४
१५.	शिक्षाशास्त्री	३०
	कुल योग	३७६

परीक्षापरिणाम

१९९४-९५ में विद्यापीठ के परीक्षा परिणामों का प्रतिशत इस प्रकार रहा—

कक्षा	प्रतिशत
प्रथम-प्रथम वर्ष	१००%
प्रथमा-द्वितीय वर्ष	१००%
प्रथमा-तृतीय वर्ष	—
पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	५६%
पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१००%
उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१००%
उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१००%
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	९०%
प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	८६%
शास्त्री-प्रथम वर्ष	८२%
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१००%
शास्त्री-तृतीय वर्ष	८६%
आचार्य-प्रथम वर्ष	९४.८%
आचार्य-द्वितीय वर्ष	९८.९%
शिक्षाशास्त्री	१००%

वर्ष के अन्य विशिष्ट कार्य

विद्यापीठ के छात्रों ने पुरी में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

९.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत एक शोध संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए विद्यापीठ प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है । विद्यापीठ में प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य के निर्देशन में कार्य करते हैं तथा पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि विभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं । विद्यापीठ का पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियां न केवल उसके छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित हैं अपितु विद्यापीठ संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार इसके पुस्तकालय के उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है ।

विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य शोधार्थियों के निर्देशन के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर शोध-कार्य भी करते हैं । विद्यापीठ की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है ।

प्रस्तुत वर्ष १९९४ में विद्यापीठ में ११ शोधार्थियों को विद्यावारिधि के लिए नामांकित किया गया । इस वर्ष एक अनुसूचित जाति के छात्र को भी प्रवेश दिया गया ।

विद्यापीठ के शोध-कार्यक्रमों की उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं—

प्रकाशन

१. महाकालसंहिता (खण्ड १) पुनर्मुद्रण

२. वास्तुसौख्यम्

३. बालबोधिनी

४. सिद्धान्तमुक्तावली टीका

विद्यापीठ में निम्नलिखित परियोजनाओं को चलाया जा रहा है:—

१. वेदाभ्यास कोष—किसी एक शब्द के लिए वेद के विभिन्न टीकाकारों द्वारा दिए गए अर्थों का निर्देश करने वाला कोश ।

२. वैदिक-व्याकरण-कोश

९-३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नयी दिल्ली ने ०१ अप्रैल, १९७१ को अधिग्रहण किया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत

विद्यापीठ रखा गया । प्रथमा से आचार्य तक के विद्यार्थी यहाँ विभिन्न विषयों जैसे-साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलित ज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते हैं । संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए १९७९ में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरंभ किया गया । शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी और राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है ।

इस विद्यापीठ को काश्मीर शैव दर्शन कोश तैयार करने के उद्देश्य से कश्मीर शैवदर्शन परियोजना का दायित्व सौंपा गया था ।

विद्यापीठ १४-७-१९७१ से किराए के भवन में अपना कार्य कर रहा है । जम्मू और कश्मीर सरकार ने भवन-निर्माण के लिए भलवल में भूमि स्वीकृत की है । इस पर चारदीवारी के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है ।

प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नलिखित है:—

कक्षा	छात्र संख्या
प्रथमा-प्रथम वर्ष	८
प्रथमा-द्वितीय वर्ष	१७
प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	२४
पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	९
उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	७
उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	३
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	१६
प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१२
शास्त्री-प्रथम वर्ष	२५
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१७
शास्त्री-तृतीय वर्ष	१७
आचार्य-प्रथम वर्ष	१५
आचार्य-द्वितीय वर्ष	६
शिक्षाशास्त्री	६०
विद्यावारिधि	७
कुल योग	२४५

प्रस्तुत वर्ष में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के चार विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया ।

इस विद्यापीठ में जम्मू और कश्मीर राज्य के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, नेपाल आदि अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश दिया जाता है । विद्यापीठ के पास अपना भवन न होने के कारण इसका कार्यालय, पुस्तकालय एवं कक्षाएं किराए के भवन में चलायी जाती हैं । इसी प्रकार छात्रावास भी किराए के भवनों में है । इस वर्ष ४८ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी ।

छात्रवृत्तियां

कक्षा	संख्या
प्रथमा प्रथम वर्ष	८
प्रथमा द्वितीय वर्ष	१६
प्रथमा तृतीय वर्ष	२
पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष	११
पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	७
उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष	५
उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष	२
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१६
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१०
शास्त्री प्रथम वर्ष	२३
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१२
शास्त्री तृतीय वर्ष	१६
आचार्य प्रथम वर्ष	६
आचार्य द्वितीय वर्ष	५
विद्यावारिधि	२७
कुल योग	१५६

अन्य क्रियाकलाप

विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने विभिन्न अन्तःमहाविद्यालयीय/अन्तःविश्वविद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ पुरी में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा तथा संस्थान के रजत जयन्तीसमारोह के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं तथा योग तथा प्रार्थनासभाओं में भाग लिया ।

९-४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा, त्रिचूर

गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्यदीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित सात विद्यापीठों में से एक है । शैक्षिक सत्र १९९४-९५ में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	४२
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	३३
शास्त्री-प्रथम वर्ष	२०
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	२५
शास्त्री-तृतीय वर्ष	२०
आचार्य-प्रथम वर्ष	२७
आचार्य-द्वितीय वर्ष	१९
शिक्षाशास्त्री	५१
विद्यावारिधि	८
कुल योग	२४५

छात्रवृत्ति

विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२७
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२३
शास्त्री प्रथम वर्ष	१४
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१६
शास्त्री तृतीय वर्ष	१८
आचार्य प्रथम वर्ष	२४
आचार्य द्वितीय वर्ष	१८
शिक्षाशास्त्री	२७
विद्यावारिधि	८
कुल योग	१७५

परिणाम

इस वर्ष वार्षिक परीक्षाओं में विद्यापीठ के परिणाम इस प्रकार रहे:—

कक्षा	प्रतिशत
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	८०%
प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१००%
शास्त्री-प्रथम वर्ष	९३%
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१००%
शास्त्री तृतीय वर्ष	८७ %
आचार्य-प्रथम वर्ष	९४ %
आचार्य-प्रथम वर्ष	१०० %
शिक्षाशास्त्री	९८ %

इस वर्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के १९ छात्रों ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लिया ।

इस वर्ष के अन्य क्रियाकलाप

इस वर्ष विद्यार्थियों ने पुरी में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया ।

९-५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

यह विद्यापीठ राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किए गए अनुरोध के फलस्वरूप मई १९८३ में संस्थापित किया गया । वर्तमान में इस विद्यापीठ में तीन विभाग हैं:—

१. शोध एवं प्रकाशन

२. शास्त्री, आचार्य विभाग

३. प्रशिक्षण विभाग

प्रस्तुत वर्ष में क्रियाकलापों का विवरण इस प्रकार है:—

प्रवेश

कक्षा	छात्र संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२१
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२३
शास्त्री प्रथम वर्ष	५९
शास्त्री द्वितीय वर्ष	५३
शास्त्री तृतीय वर्ष	४९
आचार्य प्रथम वर्ष	४५
आचार्य द्वितीय वर्ष	२६
शिक्षाशास्त्री	६६
विद्यावारिधि	४
कुल योग	३४६

छात्रवृत्ति का विवरण

कक्षा	संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१९
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१५
शास्त्री प्रथम वर्ष	४७
शास्त्री द्वितीय वर्ष	४८
शास्त्री तृतीय वर्ष	४६
आचार्य प्रथम वर्ष	३३
आचार्य द्वितीय वर्ष	२३
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	२६१

अनुसूचित, जाति/ अनुसूचित जनजाति के ग्यारह विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया । इस वर्ष ४९ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है ।

९-६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ

प्रवेश

१९९४-९५ शैक्षिक वर्ष में इस विद्यापीठ में छात्रों के प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१२
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२
शास्त्री प्रथम वर्ष	२२
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२
शास्त्री तृतीय वर्ष	३
सेतु	१

आचार्य-प्रथमवर्ष	१७
आचार्य द्वितीय वर्ष	५
शिक्षाशास्त्री	६०
विद्यावारिधि	९
कुलयोग	१३३

छात्रवृत्ति

प्रस्तुत वर्ष में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१०
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२
शास्त्री प्रथम वर्ष	१८
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१
शास्त्री तृतीय वर्ष	३
आचार्य प्रथम वर्ष	८
आचार्य द्वितीय वर्ष	४
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	७६

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के आठ विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया ।

परीक्षा परिणाम

कक्षा	प्रतिशत
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	५०
शास्त्री प्रथम वर्ष	५०

शास्त्री द्वितीय वर्ष	१००
शास्त्री तृतीय वर्ष	९०
आचार्य प्रथम वर्ष (साहित्य)	१००
आचार्य प्रथम वर्ष (व्याकरण)	५०
अचार्य प्रथम वर्ष (बौद्ध दर्शन)	१००
आचार्य द्वितीय वर्ष (साहित्य)	१००
आचार्य द्वितीय वर्ष (व्याकरण)	१००
आचार्य द्वितीय वर्ष (बौद्ध दर्शन)	१००
शिक्षा शास्त्री	१००

इस वर्ष ३० विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी ।

अन्य क्रियाकलाप

१. विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने पुरी में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा में भाग लिया ।

२. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी की रत्नाकर टीका के प्रकाशन का कार्य पूर्ण किया गया ।

९-७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

शृंगेरी में मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में दिनांक ५-३-१९९२ को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन किया गया । विद्यापीठ शृंगेरी मठ के किराए के एक भवन में कार्यरत है ।

प्रवेश

वर्ष १९९४-९५ में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार रही :

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	७
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१३
शास्त्री प्रथम वर्ष	२०
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२

शास्त्री तृतीय वर्ष	५
आचार्य प्रथम वर्ष	४
आचार्य द्वितीय वर्ष	३
शिक्षाशास्त्री	५६
विद्यावारिधि	४
कुल योग	११४

छात्रवृत्ति

प्रकृत वर्ष में छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार है;—

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	५
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	८
शास्त्री प्रथम वर्ष	१४
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१
शास्त्री तृतीय वर्ष	५
आचार्य प्रथम वर्ष	३
आचार्य द्वितीय वर्ष	३
शिक्षाशास्त्री	२८
कुल योग	६७

परिणाम

इस वर्ष विद्यापीठ की विभिन्न परीक्षाओं में परिणाम शतप्रतिशत रहा ।

इस वर्ष पन्द्रह विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा-प्रदान की गई ।

१०. वर्ष की प्रमुख घटनाएं

वर्ष १९९४-९५ में अनेक महत्त्वपूर्ण घटनाएं उल्लेखनीय हैं—

१०.१ संस्थान भवन का शिलान्यास समारोह

संस्थान के कार्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन, माननीय मानवसंसाधन विकास मन्त्री के द्वारा ५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, पंखारोड, जनकपुरी, नई दिल्ली में दिल्ली विकास प्राधिकरण के द्वारा आबंटित २००६.७ वर्गमीटर भू क्षेत्र पर किया गया। भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है।

१०.२ संस्कृत दिवस समारोह

संस्कृत दिवस मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं श्रीलालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में २१ अगस्त १९९४ को राष्ट्रीय संग्रहालय के सभागार में मनाया गया। यह समारोह तत्कालीन मानवसंसाधन विकासमन्त्री जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्वमुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री रङ्गनाथ मिश्र मुख्य अतिथि थे।

१०.३ स्थापना दिवस समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अक्तूबर १९९४ में अपने रजतजयन्ती वर्ष में प्रविष्ट हो गया। इस उपलक्ष्य में १५-१७ अक्तूबर १९९४ को एक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन केन्द्रीय शिक्षा एवं संस्कृति उपमन्त्री के द्वारा किया गया। इस समारोह में राष्ट्रीय संगोष्ठियां विद्वद् गोष्ठी, राष्ट्रिय संस्कृत कवि सम्मेलन तथा छात्रों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

२९-१-१९९४ को साधारण सभा के सदस्यों की सूची

१.	श्री अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार	अध्यक्ष
२.	वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	सदस्य
३.	शिक्षा सलाहकार योजना आयोग, योजना भवन नयी दिल्ली	सदस्य
४.	संयुक्त सचिव (भाषा) (शिक्षा विभाग) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	सदस्य
५.	श्री कमलेशदत्त त्रिपाठी प्रोफेसर (संस्कृत) प्राच्यविद्या संकाय (संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी-२२१००५ (उ० प्र०)	सदस्य
६.	प्रो० श्रीनिवास रथ पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत) विक्रम विश्वविद्यालय १८-कालिदास मार्ग, उज्जैन-४५६००१ (म० प्र०)	सदस्य

७.	स्वामी श्री गोकुलानन्द रामकृष्ण मिशन रामकृष्ण आश्रम मार्ग नयी दिल्ली-११००५५	सदस्य
८.	श्री पद्मचरण सामन्त राय पूर्वाधीक्षक (संस्कृत अध्ययन) ग्राम/पो. ओ. उराली कटक-७५३०११ (उड़ीसा)	सदस्य
९.	डा० के० टी० पाण्डुरंगी उपकुलपति पूर्णप्रज्ञ संस्कृत विद्यापीठ नं० १३२/४, ब्लाक-तीन, जयनगर बंगलौर-५६००११ (कर्नाटक)	सदस्य
१०.	डा० विश्वनाथ बनर्जी प्रोफेसर (संस्कृत) (अवकाश प्राप्त) निचू बंगला, विश्वभारती शान्ति निकेतन-७३१२३५ (पं० बंगाल)	सदस्य
११.	प्रो० सरोजा भाटे प्रोफेसर (संस्कृत) पूना विश्वविद्यालय पुणे (महाराष्ट्र)	सदस्य
१२.	प्रो० सीताराम शास्त्री अवकाश प्राप्त प्रोफेसर (संस्कृत) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी (उ०प्र०)	सदस्य
१३.	प्रो० रामकरण शर्मा पूर्व-उपकुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ६३-विज्ञान विहार, दिल्ली	सदस्य

१४.	निदेशक एशियाटिक सोसायटी कलकत्ता (पं० बंगाल)	सदस्य
१५.	निदेशक अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन पूना (महाराष्ट्र)	सदस्य
१६.	निदेशक कुप्पूस्वामी शास्त्री रिसर्च इन्स्टीट्यूट, ८४, रोयापीठ हाई रोड मैलापुर, मद्रास-६००००४	सदस्य
१७.	डा० उमारमण झा प्राचार्य गुरूवायुर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ पो० ओ० पुरानाटुकरा, त्रिचूर (केरल)	सदस्य
१८.	डा० हरि हर झा प्राचार्य सदांशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ पुरी (उड़ीसा)	सदस्य
१९.	डा० आर० पी० चौधरी प्राचार्य रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ जम्मू (जम्मू-कश्मीर)	सदस्य
२०.	निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

१.	श्री अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मन्त्री शास्त्री भवन नयी दिल्ली	अध्यक्ष
२.	वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	सदस्य
३.	संयुक्त सचिव (भाषा) शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार नई दिल्ली	सदस्य
४.	श्री कमलेश दत्त त्रिपाठी प्रोफेसर (संस्कृत) प्राच्यविद्या संकाय संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी-२२१००५ (उ० प्र०)	सदस्य
५.	स्वामी श्री गोकुलानन्द रामकृष्ण मिशन रामकृष्ण आश्रम मार्ग नयी दिल्ली	सदस्य

६.	श्री श्रीनिवास रथ पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत) विक्रम विश्विद्यालय १८-कालिदास मार्ग, उज्जैन-४५६००१ (मध्य प्रदेश)	सदस्य
७.	श्री पद्मचरण सामन्त राय पूर्व-अधीक्षक (संस्कृत अध्ययन) ग्राम/पो० ओ० उराली कटक-७५३०११ (उड़ीसा)	सदस्य
८.	निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नयी दिल्ली	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली

सम्बद्ध संस्थाएं

(१) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१.	लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत पाठशाला काली रेखा वैद्यनाथ धाम देवधर (बिहार)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
२.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नयी दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा शास्त्री
३.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
४.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट आफिस बालूसरी जिला कालीकट, (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
५.	कोडांगलूर विद्यापीठ पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
६.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल केरल	पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री प्राक्शास्त्री आचार्य
७.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
८.	श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती संस्कृत महाविद्यालय नं० ३१, ईस्ट माडा स्ट्रीट, कांचीपुरम्, तमिलनाडू	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा, प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य

(२) सम्बद्ध संस्थाएं १९९४-९५

१.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय लगमा, ग्राम० पो० रामभद्रपुर वा० लोहनारोड जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टापटोरी पो० पटोरी बसंत जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्मध्यमा- प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष (सि०व फ०) व्याकरण)
३.	डा० रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुज्फ्फरपुर (बिहार)	प्रथमा- प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथमा, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
४.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-४८७/३, रघुवीर नगर नई दिल्ली-११००२७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (साहित्य, नव्यव्याकरण प्राचीन व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
५.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यापीठ वसंत नगर, नयी दिल्ली-११००५७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा- प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
६.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य राजघाट पावर हाऊस गांधी समाधि, नई दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
७.	वेद संस्थान सी-२२, राजौरी गार्डन नई दिल्ली	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय विद्यावारिधि
८.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बघौला, तहसील-पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा)	आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
९.	रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो०-अरूणापुरम्, प्लाई (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
१०.	कालडी प्लाटिनम जुबली उच्च अध्ययन संस्कृत कालेज, शृंङ्गेरी मठ कालडी जिला-एर्णाकुडम् (केरल)	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथमा, द्वितीय, तृतीय (व्याकरण)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
११.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी० एम० कालेज कैम्पस इम्फाल मणिपुर	प्राक्शास्त्री-प्रथमा, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
१२.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी-३२२२०१ जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१३.	आदर्श संस्कृत विद्या परिषद् सल्ट महादेव जिला-पौडी गढवाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय
१४.	श्री वटुकानाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-२२/१९५, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी-२२१०१०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम-द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
१५.	श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, बिल्वेश्वर, पो० सिलयर, जिला०-मामर टिहरी गढ़वाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१६.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय दौरा पो० (कंटई) जिला-मिदनापुर पश्चिम बंगाल—७२१५०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
१७.	ठाकुर गदाधर विद्यापीठ, पो० आरामबाग (कालीपुर) जिला हुगली (पश्चिमबंगाल)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री,-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१८.	श्री अंबाजी संस्कृत विद्यालय, निवेतिया रोड, वसंत मुंबई (महाराष्ट्र)—४०००९७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१९.	एकेडेमी आफ संस्कृत रिसर्च इंस्टीच्यूट मेलकोटे	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (वेदांत, व्याकरण) विद्यावारिधि
२०.	इन्द्रप्रस्थ संस्कृत विद्यापीठ, बुद्धविहार, नई दिल्ली-११०००७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
२१.	श्री महर्षि कण्व संस्कृत विद्यालय, उदयरामपुर, कोटद्वार, गढ़वाल, उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
२२.	श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद, वेकुण्ठधाम-१०७. साउदर्न एवेन्यू १२ वीं मंजिल, कलकत्ता-७०००२९	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, अद्वैतवेदांत, प्राचीन न्याय, विद्यावारिधि)
२३.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यालय, वीमेन्स चैरिटेबुल सोसायटी, प्रधान कार्यालय, उलीन, त्रिवेन्द्रम—६९५०११	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२४.	श्री टीबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली-उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम
२५.	इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साईंस बी-५/१७१, कृष्णनगर, दिल्ली-११००५१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय पूर्वमध्यमा—प्रथम द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२६.	श्री महावीर विद्यापीठ पश्चिम विहार, नई दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—साहित्य व्याकरण, सर्वदर्शन विद्यावारिधि
२७.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेशनगर, नई दिल्ली—१५	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
२८.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय, महेन्द्र गढ़ (हरियाणा)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
२९.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पायनूर-६७०३०७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
३०.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली—११००४१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
३१.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या सोसायटी के अंतर्गत) मंडावली, दिल्ली-११००९२	आचार्य-प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष, फलित और सिद्धांत)
३२.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो, हिवाटा, (बी.यू.) तहसील मोहेकर, जिला बलधाना-(महाराष्ट्र) ४४३३०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
३३.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय, श्री कौशलेन्द्र मठ, पो० पलाडी, सुरखेज रोड़ अहमदाबाद-गुजरात—३८०००७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत),
३४.	हरेश्वर संस्कृत विद्यापीठ, लिंग्म दार्जिलिंग हरलोक, लिंग्स बाया रीनक, पूर्व सिक्किम-७३७१३३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
३५.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३६.	श्री कृष्ण प्रणामि संस्कृत महाविद्यालय, प्रणामि नगर (दादरी गेट) भिवानी, हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय, (साहित्य व्याकरण)
३७.	डा० मण्डन मिश्र, माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम
३८.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जौरा, जिला-मुरैना (म० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
३९.	श्री चन्द्रिका दास संस्कृत महाविद्यालय, घौरी, भोजपुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, वेद, ज्योतिष, दर्शन)
४०.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद—६	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
४१.	एम. जे. पी संस्कृत महाविद्यालय नस्नपुर, अहमदाबाद-१३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय
४२.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम
४३.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र महाविद्यालय संस्थान इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य नव्यव्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, कर्मकाण्ड, वेद)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
४४.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पवरी गोहनिया, पो.ओ. जंसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
४५.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी-ओ. कौधियार, इलाहाबाद (उ० प्र०)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय आचार्य-प्रथम द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
४६.	बाबा हरदित गिरि विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखारा शिरहिन्द सिटी, जिला पटियाला-	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
४७.	श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय जी. टी. रोड., मुरथल जिला-सोनीपत हरियाणा	प्रथमा-प्रथम वर्ष
४८.	अक्षरधाम सेन्टर फार रिसर्च इन सोशल हारमोनी श्री अक्षरपुरूषोत्तम टेम्पल, शाहिबंग, अहमदाबाद—	विद्यावारिधि
४९.	पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ पूर्णाप्रज्ञ नगर, बंगलौर—५६००२८	विद्यावारिधि
५०.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय बिहार	प्रथमा-प्रथम द्वितीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य व्याकरण)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
५१.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिष्ठान रमौली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) बहेरा, दरभङ्गा (बिहार)	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय
५२.	प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय दयालपुर, सारण विहार	प्रथमा, प्रथम
५३.	अजित कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान, पो० लहदरा जि० समस्ती पुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम वर्ष पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष उत्तरमध्यमा-प्रथम शास्त्री-प्रथम (साहित्य)

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली संघ एवं राज्य सरकारों के नामों की सूची

१. नं० ६/१२/७१ (डी) कैबिनेट सचिवालय
कार्मिक विभाग, भारत सरकार,
नयी दिल्ली

१-प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
२-मध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
३-शास्त्री	=	बी.ए.
४. आचार्य	=	एम.ए.
५. शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड
६. विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
७. वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग
नं० ७२५/७१६१(३)/७२ भोपाल,
दिनांक ५.१२.१९७२

३. पंजाब सरकार, नं० ४७२-४६८-II ७२२६८६ वही
दि० जनवरी १९७१

४. शिक्षा निदेशक मणिपुर वही
११/८/७१ एस ई दिनांक ३० अगस्त १९७२

५. शिक्षा निदेशक दिल्ली वही
एफ-३२/१२५/शिक्षा/७२
दिनांक २९-१-१९७२

६. गोआ, दमन और दीव, वही
विशेष/स्थापना/२६६५-११
दिनांक २३ अक्टूबर १९७२

वही

७.	तमिलनाडु सरकार,			
	ज्ञापन सं० ९४१२०/एच-१७२, २ शिक्षा	शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
	दिनांक—२ जनवरी, १९७३	प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
	पत्र संख्या-एल. डिस ३५०३३/०४	उत्तरमध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
		पूर्वमध्यमा	=	मैट्रिक
८.	महाराष्ट्र सरकार-८२/दि० २४-९-८२	उत्तरमध्यमा	=	सीनियर स्कूल, सर्टिफिकेट
	अनुरोध सं०-एस. एस. एन. ३२७१/१५७४२७-ई			प्राक्शास्त्री
	दिनांक २३ अक्टूबर १९७२			
९.	उत्तरप्रदेश सरकार सं० १०/२/१२१९	प्रथमा	=	मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा)
	नियुक्ति (४) लखनऊ	पूर्वमध्यमा	=	हाईस्कूल
	दिनांक २७ अगस्त १९७३	उत्तरमध्यमा	=	इन्टरमीडिएट
		शास्त्री	=	बी. ए.
		आचार्य	=	एम. ए.
		शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
		विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
		वाचस्पति	=	डी. लिट्
१०.	हरियाणा सरकार सं० २१८, जी शिक्षा	प्रथमा	=	मिडिल—VIII
	(एस ई) ७४/१४६२० चंडीगढ़	मध्यमा	=	हायर सकैंडरी या
	दिनांक १३-५-७४			इंटरमीडिएट
	ज्ञापन संघ-डी ४/५०-७३-सी ओ (२)	शास्त्री	=	बी.ए.
	दिनांक १२-२-१९८६	आचार्य	=	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड
		विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	=	डी. लिट्
		शिक्षाशास्त्री	=	ओ. टी.

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची

१. महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, पत्र सं० एसी/११/२२१ दिनांक ३०-६-९३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२. सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं० सामान्य/मान्यता/९७४ दिनांक १६.६.७८

मध्यमा	=	इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

३. विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन/मान्यता/७३ दिनांक १ अगस्त १९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्

४. आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं० १ (६) ३९२५/७२ दिनांक २७-९-९३

शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड

५. राजस्थान विश्वविद्यालय संदर्भ सं० एफ-४-१/७२ (शैक्षिक-११/११४६/ए दिनांक २५-५-७३ जयपुर

शास्त्री	=	बी.ए.

६. कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं० जी ए (डी ४) ८९९/७२ दिनांक २८-११-१९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच० डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

७. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय आर. ओ. सी. संख्या-सी. आई. ३३०१७/७३ दिनांक १२-१२-७३

शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.

८. मगध विश्वविद्यालय पत्र सं० ४७६७ ४८-२३ डी ११/बोधगया दिनांक ४-१२-७३

मध्यमा	=	हायर सेकेण्डरी
शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच-डी.

९. जम्मू विश्वविद्यालय पत्र संख्या-एफ. शैक्षिक V/१५३/७४/४/९५-९९ दिनांक १४-२-१९७४

मध्यमा	=	पूर्व विश्वविद्यालय
शास्त्री-भाग-१	=	बी. ए. भाग—१
शास्त्री-भाग-३	=	बी. ए. अंतिम वर्ष
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत या साहित्याचार्य

१०. अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी २१/८३/७३ दिनांक २२-२-१९७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

११. बर्दवान विश्वविद्यालय आर. सी. आई/समानार्थक/१४१/३७६१७४ दिनांक २४-६-७४

मध्यमा	=	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
शास्त्री	=	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय)

आचार्य = एम. ए.

विद्यावारिधि = पी-एच. डी.

वाचस्पति = डी. लिट्.

१२. कानपुर विश्वविद्यालय पी एस के बी/बोर्ड/४३१८/७४-७५ दिनांक २२-११-७४

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

१३. उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी- १/आर. एम./१७१/५१०४६/७५ दिनांक १-७-१९९५

शास्त्री = बी.ए.

(द्रष्टव्य क्रम सं० ३२ सी)

१४. पूना विश्वविद्यालय ई एल जी/समकक्षता-१०९/३९४९/दिनांक २६-४-१९७५

प्राक्शास्त्री = प्री-डिग्री

शास्त्री = बी.ए.संस्कृत

आचार्य = एम. ए. संस्कृत

शिक्षाशास्त्री = बी.एड.संस्कृत

१५. जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ई०/३०१३ दिनांक १३-५-१९७५

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

१६. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी एम-११/६११५ दिनांक ६-६-१९७५ और ए सी एम/११/१३७/७/७६११००० दिनांक ७-८-७५

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम.ए.

१७. गुजरात विश्वविद्यालय परीक्षा/बी. मान्यता सं० ३२४८२ दिनांक १७-९-१९७५

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

१८. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् पत्र संख्या-एफ. ३६/ओईन ३१/संस्कृत/२२७२१ दिनांक २३-१२-७४

प्रथमा = मिडिल स्कूल तथा परिषद् से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु ।

१९. केरल विश्वविद्यालय पत्र सं० सी-३/७२०/७६ जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक २२-३-७६

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

२०. विश्वभारती पत्र सं० जी-४-४३ दिनांक २३-४-७६

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

विद्यावारिधि = पी-एच. डी.

वाचस्पति = डी. लिट्.

२१. भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं० ई वी—११९२२/७६/३२७३५ दिनांक ७-२-७६

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

२२. हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय पत्र सं० १२/१३/७२ एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक १९-१२-७७

शास्त्री = बी.ए.

आचार्य = एम. ए.

विद्यावारिधि = पी-एच. डी.

वाचस्पति = डी. लिट्.

२३. दिल्ली विश्वविद्यालय पत्र सं०-१/मान्यता/डी/८४ दिनांक १४-११-८४

शास्त्री = (बी.ए. पासकोर्स) एम. ए. संस्कृत में प्रवेश के लिए

आचार्य = एम. ए.

२४. संभलपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ११७२७/शैक्षिक-दिनांक ४-५-७९

शास्त्री = बी.ए. (एम. ए. संस्कृत में प्रवेश हेतु)

२५. श्री कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र संख्या-९३५६७४ दिनांक ४-१०-७४

मध्यमा	=	मध्यमा
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
शिक्षाशास्त्री	=	शिक्षाशास्त्री
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	विद्या वाचस्पति

२६. कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ पत्र सं०-मान्यता/के- १०८/शैक्षिक/१५०४ दिनांक १२-७-७९

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२७. गुरुनानक देव विश्ववद्यालय अमृतसर पत्र सं० सामान्य/मान्यता/३९२० दिनांक २२-४-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

२८. मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं० सी आर-III/मान्यता /१९२५ दिनांक १७-३-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

(यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)

२९. पंजाब विश्वविद्यालय पत्र सं० एस-१६८८१ दिनांक २८-११-१९८०

प्रथमा	=	प्राज्ञ
मध्यमा	=	विशारद
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य

३०. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं० ५१६३/८४/एस.जे. एस. बी. दिनांक १०-८-८४

प्रथमा	=	प्रथमा
पूर्वमध्यमा	=	मध्यमा

उत्तरमध्यमा	=	उपशास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	वाचस्पति

३१. बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, वरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं० ५१३१/शैक्षिक-११/बी यू/८४ दिनांक १६-४-८४

शास्त्री	=	बी.ए. (पास)
आचार्य	=	एम. ए. (संस्कृत)

३२. उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं० १८८२६ दिनांक ५-६-८४

आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत

(बी.ए.स्तर तक अंग्रेजी सहित)

३३. त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू काठमांडू नेपाल पत्र सं० ३७२/८४ दिनांक १९-९-८४

प्राकशास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३४. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं० जी-४५८/४०१९/७४-८५

प्राक्शास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३५. भोपाल विश्वविद्यालय भोपाल पत्र सं० १११२/बी यू/शैक्षिक/८५ दिनांक १५-३-८५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

३६. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं० शै०-१७२२/९२ दिनांक २२-१२-९२

आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि (पी. एच. डी.)
वाचस्पति	=	वाचस्पति (डी. लिट्.)

३७. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं०-ए सी एम/११/१३७/९२/३२४८९ दिनांक २८-१२-९२

शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	=	बी.ए (पास) टी डी सी (१० + १ + ३ योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण हो ।
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य (यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)	=	एम. ए.

३८. मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नयी दिल्ली के पत्र सं. एफ-७-२/८३-संस्कृत- २ दिनांक ३१ दिसम्बर १९९२

शिक्षाचार्य	=	एम.एड.

३९. रवि शंकर विश्वविद्यालय पत्र सं० २९४७/ए के ए मान्यता/९० रायपुर दिनांक ३-८-१९९०

४०. मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक ३ जनवरी १९९२

शास्त्री	=	अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए.

४१. अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं० एफ १४(१९३ शिक्षा-११/यू ओ ए/९२/३४००/३५०६ दिनांक ६ फरवरी १९९२

शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

1994-1995 वर्षीय प्राप्तियां तथा भुगतान का विवरण

प्राप्तियां	योजनागत	योजनेत्तर	योग
लेखा शीर्ष			
1. **पूर्व बकाया**			
i. हाथ में रोकड़	17,184.15	1,08,837.89	1,26,022.04
ii. बैंक में जमा रोकड़	25,25,672.80	5,72,722.74	30,98,395.54
iii. बैंक में जमा फोर्ड फाउडेशन		1,88,634.93	1,88,634.93
iv. बैंक में जमा पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट		1,20,903.60	1,20,903.60
2. **मन्त्रालय से अनुदान**			
अनुरक्षर	2,92,00,000.00	4,46,63,000.00	7,38,63,000.00
3. **विविध प्राप्तियां**			
i. पत्राचार	—	50,230.00	50,230.00
ii. परीक्षा	—	2,97,388.00	2,97,388.00
iii. अन्य विविध प्राप्तियां	7,632.00	12,83,492.40	12,91,124.40
iv. पूर्व शिक्षा शास्त्री	—	2,77,309.50	2,77,309.50
v. छात्रावृत्ति वापसी	—	73,249.00	73,249.00
vi. छुट्टी एवं पैन्शन अंशदान	—	12,591.00	12,591.00
vii. सा०भ०नि० ब्याज	20,156.00	2,85,189.00	3,05,345.00
viii. के०लो०नि०वि० से वापसी	6,488.00	—	6,488.00
प्रकाशन से बिक्री			
i. प्रकाशन (मंत्रालय)	2,71,744.80	—	2,71,744.80
ii. प्रकाशन (संस्थान)	—	26,750.84	26,750.84
iii. लाभ	—	4,460.81	4,460.81
4. **वसूलियां**			
i. आय कर	5,628.00	2,71,449.00	2,77,077.00
ii. स०/अंशदायी भ० निधि	1,97,026.00	55,35,602.00	57,32,628.00
iii. जी०आई०एस०	1,070.00	1,03,402.58	1,04,472.58
iv. जीवन बीमा	591.60	5,68,301.34	5,68,892.94
v. अन्य विभागों से आय	36,585.00	3,93,107.08	4,29,692.08
vi. परीक्षा शुल्क	—	64,034.00	64,034.00
vii. डाक जीवन बीमा	—	29,617.80	29,617.80
viii. छात्रवृत्ति (पुरी)	—	4,395.00	4,395.00
ix. आखिल भारतीय वाद-विवाद प्रसंग	—	4,00,000.00	4,00,000.00
5. ब्याना एवं जमानत	—	150.00	150.00
6. पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन	—	13,470.00	13,470.00
7. छात्रकोष	—	2,600.00	2,600.00
8. **अग्रिम अदायगी**			
i. छुट्टी यात्रा भत्ता	36,530.00	1,18,955.00	1,55,485.00
ii. यात्रा भत्ता	81,841.00	3,48,434.20	4,30,275.20
iii. त्यौहार	400.00	1,03,640.00	1,04,040.00
iv. वाहन	—	1,66,738.00	1,66,738.00
v. विविध	99,324.00	7,20,138.00	8,19,462.00
vi. पंखा	—	480.00	480.00
vii. गृह निर्माण	15,000.00	3,40,992.00	3,55,992.00
viii. चिकित्सा	—	87,800.00	87,800.00
ix. वेतन	—	15,580.00	15,580.00
9. सावधि योजना से प्राप्त	—	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00
10. मैडल आचार्य छात्रों को	—	6,000.00	6,000.00
11. सस्पैंस एकाऊंट	—	8,252.40	8,252.40

भुगतान	योजनागत	योजनेत्तर	योग
लेखा शीर्ष			
1. वेतन एवं भत्ते	10,47,149.00	2,09,50,442.04	2,19,97,591.04
2. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	18,027.10	4,47,458.60	4,65,485.70
3. यात्रा भत्ता	1,02,637.60	7,23,718.90	8,26,356.50
4. छात्रवृत्ति (विद्यापीठ)	54,037.00	9,36,599.85	9,90,636.85
5. छात्रवृत्ति (संस्थान)	—	11,08,011.00	11,08,011.00
6. छुट्टियों का भत्ता पैंशन	—	55,640.00	55,640.00
7. सेवानिवृत्ति लाभ			
i. उपदान	—	1,12,110.00	1,12,110.00
ii. पैंशन	—	6,80,911.00	6,80,911.00
iii. कमुहेड पैंशन	—	1,39,134.00	1,39,134.00
8. अंशदायी/सा० भविष्य निधि			
i. भविष्य निधि पर ब्याज	32,344.00	3,79,108.00	4,11,452.00
9. **फुटकर**			
i. किराये, दरें एवं कर	50,200.00	14,03,326.52	14,53,526.52
ii. अनुरक्षण एवं मरम्मत	300.00	1,29,534.00	1,29,834.00
iii. पोस्ट एवं टेलीफोन	21,215.85	3,66,019.39	3,87,235.24
iv. विज्ञापन	44,040.00	2,35,970.20	2,80,010.20
v. लेखन सामग्री	34,077.35	3,47,118.45	3,81,195.80
vi. लेखा परीक्षा शुल्क	—	95,735.00	95,735.00
vii. बिजली तथा पानी	7,128.25	1,79,997.99	1,87,126.24
viii. विविध व्यय	23,995.35	20,42,649.47	20,66,644.82
ix. वर्दियां	—	43,361.80	43,361.80
x. कार	—	2,18,764.45	2,18,764.45
xi. कानूनी व्यय	1,250.00	58,668.00	59,918.00
xii. पूर्व शिक्षा शास्त्री	—	2,00,818.00	2,00,818.00
10. शास्त्र चूड़ामणि	14,43,170.00	—	14,43,170.00
11. विशेष अभिविन्यास	1,03,289.00	—	1,03,289.00
12. किताबों की खरीद	7,89,460.00	—	7,89,460.00
13. पुर्नमुद्रण योजना	4,62,000.00	—	4,62,000.00
14. प्रोडक्शन संस्कृत साहित्य	17,52,235.00	—	17,52,235.00
15. दक्षिण कालेज पूना	—	20,00,000.00	20,00,000.00
16. राष्ट्रपति पुरस्कार	—	19,32,013.00	19,32,013.00
17. अनुपलब्ध पाण्डुलिपि	42,735.00	—	42,735.00
18. ब्याना एवं जमानत	—	250.00	250.00
19. पुस्तकालय सुरक्षा धन	—	6,940.00	6,940.00
20. छात्रकोष	—	1,300.00	1,300.00
21 सावधि योजना	—	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00
22. मैडल आचार्य छात्रों को	—	6,000.00	6,000.00
23. आदर्श पाठशाला	55,00,000.00	85,99,452.00	1,40,99,452.00
24. स्वैच्छिक सं० संगठन	48,00,000.00	4,06,821.00	52,06,821.00
25. अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रसंग	2,48,893.00	—	2,48,893.00
26. **प्रेषित राशि**			
i. आयकर	5,628.00	2,55,457.00	2,61,085.00
ii. अंशदायी/सा० भविष्य निधि	1,97,026.00	52,56,151.00	54,53,177.00
iii. सामूहिक बीमा	1,070.00	1,01,469.55	1,02,539.55
iv. जीवन बीमा प्रीमियम	—	5,67,897.50	5,67,897.50
v. परीक्षा शुल्क	—	50,980.00	50,980.00
vi. डाक जीवन बीमा	—	29,617.80	29,617.80
vii. अन्य विभागों को भेजा	36,585.00	3,85,897.08	4,22,482.08
viii. गृह निर्माण के दायित्व की अदायगी	—	970.00	970.00

contd.....2/-

प्राप्तियां		योजनागत	योजनेत्तर	योग
लेखा शीर्ष				
कुल योग		3,25,22,873.35	6,72,67,904.11	9,97,90,777.46

ह०—

लेखा अधिकारी

भुगतान		योजनागत	योजनेत्तर	योग
लेखा शीर्ष				
ix.	अखिल भारतीय वाद विवाद प्रतिस्पर्धा	—	4,00,000.00	4,00,000.00
x.	पो० मै० छात्रवृत्ति	—	3,008.00	3,008.00
xi.	उड़ीसा सरकार की छात्रवृत्ति	—	600.00	600.00
27.	**पूंजीगत व्यय**			
a.	पुस्तकालय पुस्तक	5,817.80	29,864.50	35,682.30
b.	मशीन एवं साजसामान	14,800.00	85,005.00	99,805.00
c.	प्रकाशन	—	56,233.00	56,233.00
d.	फर्नीचर	1,24,665.80	89,301.90	2,13,967.70
e.	के०लो०नि०वि०	1,24,59,750.00	—	1,24,59,750.00
28.	दृश्य प्रचार नि० को अग्रिम	—	10,000.00	10,000.00
29.	**अग्रिम**			
i.	अवकाश	36,530.00	1,11,102.00	1,47,632.00
ii.	यात्रा भत्ता	86,341.00	3,39,901.00	4,26,242.00
iii.	त्यौहार	600.00	1,27,760.00	1,28,360.00
iv.	वाहन	—	1,50,232.00	1,50,232.00
v.	विविध	1,09,924.00	6,82,438.00	7,92,362.00
vi.	गृह निर्माण	—	1,02,950.00	1,02,950.00
vii.	चिकित्सा	—	76,000.00	76,000.00
viii.	वेतन	—	15,580.00	15,580.00
30.	**नकद रोकड़**			
i.	हाथ में राशि	6,405.30	43,658.70	50,064.00
ii.	बैंक में राशि	28,59,546.95	41,78,418.89	70,37,965.84
iii.	बैंक में (फोर्डफाऊंडेशन)	—	1,88,634.93	1,88,634.93
iv.	बैंक में (पत्रा० कैसट प्रोगेकट)	—	1,20,903.60	1,20,903.60
	कुल योग	3,25,22,873.35	6,72,67,904.11	9,97,90,777.46

ह०/—

उपनिदेशक (वित्त)

ह०/—

निदेशक